S.K-4

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - V)

GENERAL STUDIES (Test - V)

मॉड्यूल - V / Module - V

DTVF/17–M–**GS5**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Arvind Pratap Singh

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	5	0	6	0	7	3

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): अरविंद

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS: 67½/250

Introduction	Context	Content	Structure	Current Link / Examples	Conclusion	Language
C	C+	C+	C+	C+	C+	C+

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

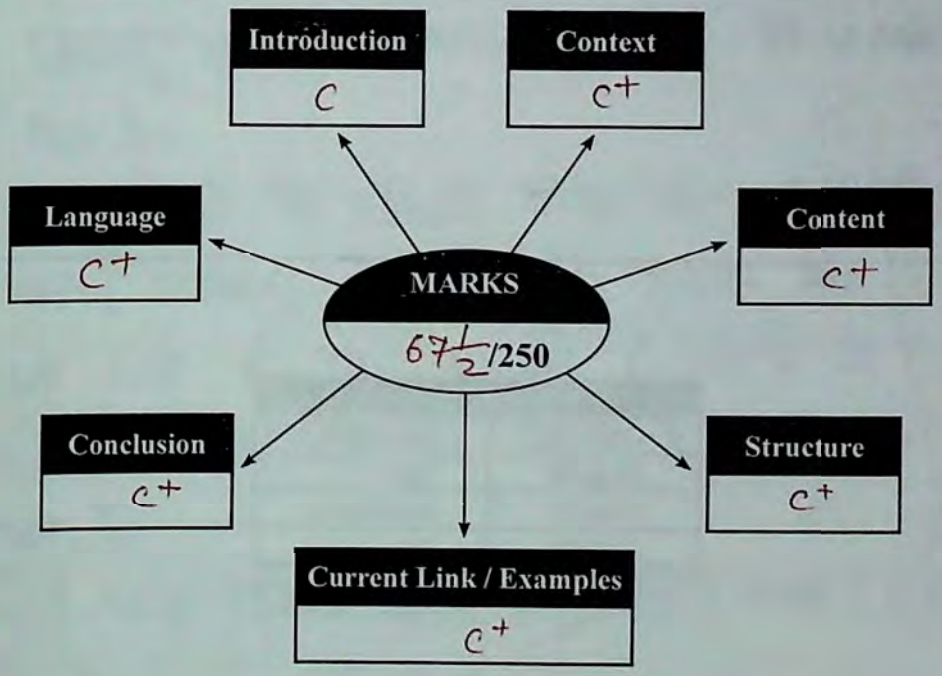

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

1. अच्छा प्रयास है।
2. कृपया! प्रश्न के सभी पक्षों का संतुलित उत्तर दें।
3. तर्क को उदाहरण/किसी रिपोर्ट से prove करें।
4. पर्याप्त तर्क/तथ्य शामिल कर अपने उत्तर की गुणवत्ता बढ़ाये।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. "प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद यद्यपि निवेश और प्रतिभा को आकर्षित करने के संबंध में परिवर्तन का शक्तिशाली एजेंट होता है, परंतु अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी के संबंध में यह अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।" भारतीय राज्यों के संदर्भ में उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although the competitive federalism is a powerful agent of change in relation to attracting investment and talent but with regard to the delivery of essential services it has been comparatively weak." Explain the statement given above with reference to the Indian states. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद का अर्थ है बेहतर केंद्र-राज्य सम्बंध के साथ-साथ राज्यों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से देश का विकास। निवेश और प्रतिभा को आकर्षित करने के मामले में इस भावना ने राज्यों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है। इस संदर्भ में नीति आयोग ने विश्वबैंक के सहयोग से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सूची के प्रकाशन का वर्ष की प्रारम्भ किया है।

यद्यपि कि अधिकांश निवेश और प्रतिभा महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और गुजरात जैसे उन्हीं राज्यों की ओर आकर्षित हो रही है जो पहले से अवसंरचना और विकास के लिहाज से आगे हैं।

परन्तु अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी यथा -

तर्क / उदाहरण देकर बताएं कि कैसे प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद ने निवेश और प्रतिभा को आकर्षित किया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पुलिस, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य के सम्बंध में प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद का अधिक लाभ नहीं मिला है। इसका प्रमुख कारण तो यह है कि राज्य अपने-अपने क्षेत्रों में स्थापित हैं और अनिवार्य सेवा प्रदान करने वाली यह एकमात्र एजेंसी है अर्थात् प्रतिस्पर्धा व विकल्पों का अभाव है। राज्यों की कमजोर वित्तीय स्थिति, भ्रष्टाचार, विकेन्द्रीकरण का अभाव, काम का बढ़ता बोझ, सूचना प्रौद्योगिकी का कम प्रयोग और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी संरचनाओं के स्थान पर लोकानुप्रिय परियोजनाओं पर खर्च से यह समस्या और बढ़ी है।

अतः आवश्यक है कि सुशासन के लिए प्रतिस्पर्धा को इस क्षेत्र में भी लागू किया जाए। लोगों के पास आवाज उठाने (Voice) और सेवा का विकल्प छोड़ने (Exit) का अवसर हो। इसके लिए राज्य के ऊपर सार्वजनिक-सार्वजनिक अथवा सार्वजनिक-निजी प्रतिस्पर्धा को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बढ़ावा दिया। जन-भागीदारी के माध्यम से विकेंद्रीकरण और सिटीजन चार्टर जैसे उपायों को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र में लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद में राज्यों के मध्य प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ राज्य के अंदर विभिन्न एजेंसियों में प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी का रिकॉर्ड बेहतर किया जा सकता है।

3

—— x ——

कृपया संतुलित उत्तर हैं। आपका उत्तर Part-A के सन्दर्भ में पर्याप्त तर्क/उदाहरण नहीं देता।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

2. "परिचालन में नकदी का अनुपात बढ़ने से भ्रष्टाचार के मामलों में भी इजाफा होता है।" पारदर्शिता अंतर्राष्ट्रीय (Transparency International) द्वारा किये गए इस आकलन की भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए हालिया विमुद्रीकरण के संदर्भ में पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Increased ratio of cash in circulation also increases corruption related cases." Substantiate this assessment conducted by transparency international in the context of recent demonetization in the Indian economy. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

परिचालन में नकदी का अनुपात बढ़ने से भ्रष्टाचार के मामलों में निम्न कारणों से इजाफा होता है-

(i) भ्रष्टाचार में नकद लेन-देन की ट्रैकिंग कठिन है।

(ii) कर-चोरी व कर-विरोधी व्यवहार को बढ़ावा।

(iii) हवाला व मनी-लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा।

(iv) कई क्षेत्रों जैसे रियल इस्टेट में नकदी के प्रयोग से सौदेबाजी दो भागों में होना - कानूनी व गैर-कानूनी।

(v) नकली नोट व टेरर-फण्डिंग

यद्यपि ब्राजील व नाईजीरिया के उदाहरणों से स्पष्ट है कि केवल नकदी का प्रचालन कम करने मात्र से भ्रष्टाचार समाप्त हो जाएगा ऐसा नहीं है।

परन्तु भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के मामले

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में भारत जैसे देश में विमुद्रीकरण इन प्रयासों की श्रृंखला में से एक माना जा सकता है।
भारत में कैश-जीडीपी अनुपात ज्यादा होने के साथ-साथ, अनौपचारिक क्षेत्र पूर्णतया नकदी आधारित था और बड़े नोटो का हिस्सा कुल नकदी में 84% था।

~~नकदी~~ विमुद्रीकरण के लाभ

1. जाली नोट फिलहाल पकड़े गए।
2. टेरर फंडिंग में कमी।
3. टैक्स देने वालों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि - कराधार बढ़ेगा।
4. अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण।
5. धन के लेन-देन को अब ट्रैक करना आसान।
6. पारदर्शिता, जैसे रियल इस्टेट क्षेत्र में।

यद्यपि कि विकास वृद्धि कम होने से कुछ हालिया हानि हुई है पर यह निश्चय है,

[fact है] जिससे Prove हो सके।

(1) ~~लेकिन~~ WB की रिपोर्ट कहती है कि नकदी और भ्रष्टाचार का संबंध बहुत कम है।

(2) भारत में अधिक नकदी होने के कारणों को बताएं

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कि दीर्घावधिक प्रभाव के लिहाज से यदि राज्य-मशीनरी का सही प्रयोग किया जाए तो कम नकदी की अर्थव्यवस्था भ्रष्टाचार को भी कम करेगी।

———X———

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	—
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

3. "न्यायसंगत समाज में प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी देने की आवश्यकता है।" कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"In a justified society there is a need to guarantee minimum income to each person." Critically explain the statement. (250 words) 12.5

इस वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण में सार्वजनिक [सार्वभौमिक] न्यूनतम आय (Universal Basic Income) की सैद्धांतिक चर्चा है जो इसी सिद्धांत पर आधारित है कि न्यायसंगत समाज में प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी देने की आवश्यकता है।

पक्ष में तर्क

1. यदि सब्सिडी को न्यायसंगत बनाकर इसे लागू किया जाए तो लीकेज में कमी
   भ्रष्टाचार में कमी
   लक्षित लाभार्थी तक पहुँच
   प्रशासनिक व्यय कम होगा।
2. व्यक्ति / परिवार को ऋणजाल व गरीबी से निकाला जा सकेगा।
3. परिवार दूसरी प्राथमिकताओं पर ध्यान दे सकेगा जैसे शिक्षा पर खर्च।
4. समावेशी समाज का निर्माण होगा।

पर्याप्त तर्कों / तथ्यों का अभाव

क्या न्यूनतम आय की गारंटी इन सब कमियों को अपने आप दूर कर देगी? कैसे करेगी? यह अवश्य लिखें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

विपक्ष में ~~कर्म~~ तर्क

1. कार्यक्रम की लागत अत्यधिक।
2. गरीबों में यह भावना होगी कि अमीरों को क्यों दी जा रही है।
3. मुद्रास्फीति व वस्तुओं की कीमतों पर।
4. एक बार लागू करने पर इस निर्णय को वापस लेना कठिन होगी।
5. हमारी सामाजिक संरचना से लाभ पर पुरुषों का अधिकार होगा और फिजूलखर्ची को बढ़ावा मिलेगी।
6. गैर-प्रतिस्पर्धी व अकर्मण्यता की संस्कृति को बढ़ावा।

वस्तु की कीमत से मुद्रास्फीति से जुड़े हैं

इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारतीय राज्य की सीमित क्षमता के परिप्रेक्ष्य में अभी इस सिद्धांत पर अधिक बहस की आवश्यकता है। इस बीच लक्षित सब्सिडी को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण व JAM - जैम त्रिनिटी - के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

माध्यम से इस लक्ष्य की ओर बढ़ना ही श्रेयस्कर है।

——x——

5½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	¼	1½	1	¼	½	½	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. निर्यात की मात्रा विभिन्न आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय कारकों से प्रभावित होती है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा 'निर्यात संवर्द्धन' के लिये उठाए गए विभिन्न कदमों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Export volume is affected by various internal and international factors. In this context discuss the various steps taken by the government of India for 'Export Promotion'. (250 words) 12.5

देश के विकास में आयात-निर्यात संतुलन की विशेष भूमिका है। इस दृष्टि से निर्यात को प्रभावित करने में अवसंरचना, कच्चे माल का घरेलू बाजार से आधिक्य, विनिर्मित उत्पादों की विविधता, घरेलू खपत का आकार, श्रम की उपलब्धता, ऊर्जा-संसाधन जैसे घरेलू कारक महत्त्वपूर्ण होते हैं।

वहीं वैश्विक मांग का स्वरूप, निर्यात-योग्य पदार्थों की विविधता, मुक्त व्यापार अथवा संरक्षणवाद की स्थिति, WTO के नियम-विनियम, पर्यावरणीय मानक व सब्सिडी-डंपिंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय कारक भी निर्यात को प्रभावित करते हैं।

भारत सरकार ने निर्यात-संवृद्धि' प्रयासों के माध्यम से इसी महत्त्व को रेखांकित किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

है। घरेलू स्तर 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से विनिर्माण को बढ़ावा और आयात -निर्भरता कम किए जा रही है।

अवसंरचना विकास में सागरमाला परियोजना. DTAA संधियों में सुधार, क्रेडिट स्क्रिप, निर्यात-योग्य वस्तुओं पर कर छूट, एंटी डंपिंग उपाय के साथ -साथ MEIS (मर्केंडाइज एक्सपोर्ट फ्रॉम इंडिया स्कीम) और सेवा क्षेत्र में SEIS जैसी योजनाएँ प्रारम्भ की है।

यद्यपि कि भुगतान -संतुलन पक्ष में सुधार आया है परन्तु बढ़ते संरक्षणवाद के दौर में निर्यात -क्षेत्रक में और भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

—— x ——

नयी विदेश व्यापार नीति 2015-20

(1) अभी निर्यात में बाधाओं का उल्लेख करें।
(2) सुझाव दें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1 1/2	1	1/4			
Grade	B	C	C	c	1/4	1/4	2
					B	8	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. "यद्यपि भारतीय उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं परंतु आधारभूत उद्योगों में से एक उर्वरक उद्योग अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में भी निरंतर अक्षम रहा है।" कथन के संदर्भ में भारतीय उर्वरक उद्योग के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का विवरण दें तथा इनसे निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although Indian industry is growing steadily but the fertilizer industry being one of the basic industries, has been consistently unable to fulfill its domestic needs." In the context of the statement, describe the challenges before the Indian fertilizer industry and discuss the measures to deal with them. (250 words) 12.5

उर्वरक उद्योग 8 आधारभूत उद्योगों में से एक है। इस उद्योग के समक्ष निम्न चुनौतियाँ उपस्थित है।

1. फास्फोरस और पोटेशियम उर्वरकों के लिए कच्चा माल भारत में कम उपलब्ध है।
2. आवश्यक गैस की अनुपलब्धता या लगातार आपूर्ति में बाधा।
3. सब्सिडी के रूप में माँग-आपूर्ति में बाधा और कीमत-नियंत्रण।
4. सार्व० क्षेत्र की कंपनियों के कार्य-निष्पादन में खराब प्रदर्शन।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत-सरकार ने बहुआयामी उपाय अपनाए हैं। एक तरफ कतर-UAE जैसे देशों से समझौता

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर गैस-आपूर्ति सुनिश्चित की है और देश के अंदर ऊर्जा-गंगा परियोजना के माध्यम से गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी उर्वरक कारखानों के पुनरुद्धार की भी योजना है।

सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाया गया है और पोषण-आधारित सब्सिडी (NBS) प्रारम्भ की गई है। उर्वरकों के माध्यम से उत्पादकता-प्रभाव को संतुलित करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड और फर्टिगेशन तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। सब्सिडी युक्त उर्वरक की स्मगलिंग आदि को DBT प्रयोग के माध्यम से नियंत्रण में लाया गया है।

आपको उपाय बताने है।

उपरोक्त उपायों के माध्यम से खुशहाल उद्योग और खुशहाल कृषि के प्रयासों को हरित कृषि, आर्गेनिक कृषि के साथ मिलाकर देखने से सकारात्मक तस्वीर उभरती है।

——x——

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

$3\frac{1}{2}$

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	$1\frac{1}{2}$	1	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की राह में दलहन समस्या मुख्य बाधा है। इस बाधा पर चर्चा कीजिये और बताएँ कि इसे कैसे दूर किया जा सकता है? (250 शब्द) 12.5

Pulses Problem is the main obstacle in the path of ensuring nutritional security ahead of food security. Discuss this obstacle and tell how it can be overcome. (250 words) 12.5

कैलोरी आधारित और खाद्यान्न की न्यूनतम मात्रा उपलब्ध कराने से आगे बढ़कर आज हम 'पोषण सुरक्षा' के दौर में पहुँच चुके हैं। प्रोटीन इस पोषण सुरक्षा का महत्त्वपूर्ण अवयव है और भारत की शाकाहारी जनसंख्या के लिए प्रोटीन का एकमात्र स्रोत दालें हैं।

दलहन समस्या के कारण

1. खपत अत्यधिक है। (भारत सबसे बड़ा उत्पादक व उपभोक्ता है। आयात-निर्भरता)।
2. शाकाहार का अत्यधिक प्रचलन।
3. दालों पर शोध-अनुसंधान में कमी।
4. दालों की फसल-अवधि का 1 से 1.5 साल होना।
5. दालों की फसल प्रायः पिछड़े व असिंचित क्षेत्रों में उपजाई जाती है।

कृपया उचित तथ्य ही दें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. दलहनों के एक परिपक्व होने पर झड़ हो जाते हैं अतः मशीनीकरण का अभाव।

दूर करने के उपाय

1. नई, कम समय में पकने वाली किस्मों पर शोध व अनुसंधान जैसे PUSA-16।
2. म्यांमार व मोजाम्बिक जैसे देशों से आयात सुनिश्चित करना।
3. खान-पान की आदतों में विविधीकरण को बढ़ावा।
4. कालाबाजारी व जमाखोरी पर नियंत्रण।
5. दाल के बुआई-क्षेत्र में विस्तार करना।
6. दाल का MSP निर्धारण।

इन उपायों से दलहन समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

———X———

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1½	1/4	1/4	1/4	
Grade	B	[illegible]	C	C	B	C	[illegible]

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इस स्थान पर लिखें। कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "प्रथम विश्व युद्धोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की दुर्बलताएँ ही द्वितीय विश्व युद्ध का मूल कारण सिद्ध हुई।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The weaknesses of the international order in the time of post World War I were proved the root cause of World War II." Critically examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के अंतराल को एक प्रकार से 20 वर्षों का विराम माना जा सकता है। इनमें पुनोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की दुर्बलताओं की भूमिका निम्नवत थी-

1. लीग ऑफ नेशंस का कमजोर होना। अमेरिका का इसमें शामिल न होना और फ्रांस, ब्रिटेन पर अत्यधिक निर्भरता।
2. जर्मनी, बुल्गारिया, तुर्की देशों के साथ अपमानजनक व्यवहार।
3. केंद्रीय शक्तियों के क्षेत्रों का अतिक्रमण।
4. मैंडेट व्यवस्था का औपनिवेशिक चरित्र।
5. सोवियत संघ के विरुद्ध नकारात्मक भाव से जापान व जर्मनी के प्रति तुष्टीकरण की नीति। फलतः मंचूरिया व चेकोस्लावाकिया पर अधिकार। पर इस दुर्बलता के साथ साथ देशों की

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

साम्राज्यवादी आकांक्षाएँ, पूंजीवाद का संकट (आर्थिक महामंदी 1929-33), युद्ध व हथियार उद्योग, प्रतिस्पर्धा व वर्साय संधियों का चरित्र भी द्वितीय विश्व युद्ध का ~~मुख्य~~ कारण बना। यद्यपि की उपरोक्त कारणों को भी एक अर्थ में युद्धोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की दुर्बलता का ही पर्याय माना जाना चाहिए।

———×———

4½

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	2	1/4	—	—	✓
Grade	B	B	B	C			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. "फ्राँस की क्रांति वैचारिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त होते समाज के असंतोष की अभिव्यक्ति मात्र थी।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The french revolution was an expression of discontent of the ideologically and financially empowering society." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1789 ई० में फ्रांस की क्रांति को पूंजीवाद, राष्ट्रवाद और आधुनिकता के विकास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जाता है।

फ्रांस की क्रांति: वैचारिक असंतोष का परिणाम

रूसो, वाल्टेयर, मांटेस्क्यू के प्रभाव में फ्रांसीसी समाज में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों का प्रसार हो चुका था। सामंतो द्वारा विलासी जीवन, राजा व धार्मिक वर्ग इस समानता के विपरीत आचरण कर रहे थे। 'थर्ड स्टेट' को अधिकारों में कमी महसूस होने लगी और वैचारिक रूप से सशक्त होते समाज को अपनी पुरानी अवस्था अब असह्य प्रतीत होने लगी।

जनता यह भी देख रही थी कि राजा, सामंत व पुजारी कोई भी अपने कर्तव्य का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पालन नहीं कर रहा था।

फ्रांस की क्रांति: आर्थिक असंतोष की अभिव्यक्ति

फ्रांस में कहावत थी कि सामंत रक्षा करता है, पुजारी पूजा करता है और जनता कर देती है। पर इन वर्गों के आचरण से जनता को अहसास हुआ कि सामाजिक संविदा टूट चुका है।

फ्रांस में लगाने वाले नए कर टाइथ, टैले, गैबेल्ल; युद्धों में लगातार खर्च, राजा व सामंतो की जीवनशैली व वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी व खाद्यान्न की कमी ने फ्रांस की क्रांति को अवश्यम्भावी बना दिया। यह 'अतिव्ययी अराजकता' (Prodigal Anarchy) भी क्रांति का कारण बनी।

इस रूप में कह सकते हैं कि मात्र शोषण व दुरवस्था ने नहीं अपितु उसके सचेतन अहसास ने क्रांति को जन्म दिया।

— x —

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

4 1/4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1 1/2	1/4	—	1/4	—
Grade	B	B	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. जैसे सूर्य की किरणें समस्त संसार में विकसित होती हैं, चाहे आगे या पीछे, वैसे ही प्रज्ञा का प्रकाश किसी एक महाद्वीप तक कैसे सीमित रह सकता है? पुनर्जागरण के दौरान उपजे विचार के संदर्भ में उक्त कथन की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

As the rays of the sun spread throughout the world, whether early or later similarly, how the light of intelligence can be confined to one continent? Discuss the above statement in relation to the idea that was developed during the Renaissance. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ज्ञान के महत्व को देखते हुए ही पश्चिमी समाज में 'knowledge is Power' और भारत में 'सा विद्या या विमुक्तये' जैसी धारणा प्रचलित है। पुनर्जागरण के दौरान उपजे विचारों ने उपरोक्त ~~दृष्टिकोण~~ सिद्धांतों के अनुसार पूरी दुनिया को प्रभावित किया।

स्वयं पुनर्जागरण के माध्यम से तत्कालीन यूरोप प्राचीन संस्कृति से पुनः परिचित हुआ और बुद्धिवाद, तर्कवाद, मानववाद, इहलौकिकता में विश्वास, धर्मेतर अध्यात्म का अस्तित्व, प्रश्न करने की प्रवृत्ति, व्यक्तिवादिता, जैसे मूल्यों का विकास हुआ। इनके माध्यम से धर्म के प्रभाव में कमी आई, विज्ञान का विकास प्रारम्भ हुआ और सामाजिक व्यवस्था

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की स्थापना के साथ-साथ व्यक्ति को महत्व मिला।

इन विचारों का प्रसार समय के साथ पूरी दुनिया में हुआ और जहाँ भी शोषण, अत्याचार और असमानता दिखी वहाँ इन मूल्यों पर बल दिया गया।

आगे आने वाली प्रबोधन की विचारधारा में जॉन लॉक, रूसो, वाल्टेयर, मांटेस्क्यू ने इन्हीं मूल्यों पर बल दिया जिनपर 1453 के बाद मार्टिन लूथर किंग, इरैस्मस, दा विंची ने दिया था।

अमेरिकी क्रांति, प्रबुद्ध निरंकुशता, फ्रांस की क्रांति से लेकर भारत के स्वाधीनता आंदोलन और दक्षिण अफ्रीका के गांधी आंदोलन तक इन विचारों का प्रभाव सभी देश और काल में देखने को मिलता है।

इस रूप में सही ही पुनर्जागरण को आधुनिक युग का प्रस्तावक माना जाता है।

4 3/4

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	2	1/4	—	1/4	✓
Grade	B	B	B	C		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

10. गुटीय राजनीति के काल में तृतीय विश्व के देशों की एकता व अखण्डता बनाए रखने में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the role of Non-aligned movement to keep maintaining unity and integrity of third world countries in the time of factional politics. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरांत की दुनिया सोवियत और अमेरिकी अर्थात साम्यवादी और पूंजीवादी गुटों में बंटना प्रारम्भ हो गई थी। इस रूप में नवस्वतंत्र देशों के सम्मुख एक प्रकार से परोक्ष-पराधीनता का ही विकल्प था। 1955 ई० में बांडुग सम्मेलन और तत्पश्चात भारत, तुर्की, मिस्र, इण्डोनेशिया के नेतृत्व में गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना ने तृतीय विश्व के देशों की एकता व अखण्डता बनाए रखने में निम्न प्रकार से योगदान दिया।

1. नैम देशों के मध्य एकता, सहयोग व संगठन की भावना।
2. दोनो गुटों से दूरी अतः संकट के समय दूसरे पक्ष से सौदेबाजी की आशंका ने स्वतः ही पहले पक्ष पर नियंत्रण किया।
3. हस्तक्षेप करने से (इन देशों में) अमेरिका व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सोवियत संघ की नकारात्मक छवि। व पूरे आंदोलन के विपक्ष में चले जाने की आशंका।

4. अहस्तक्षेप, शांति व सहिष्णुता पर बल।

5. नैम (NAM) द्वारा निरस्त्रीकरण को बढ़ावा दिया गया।

6. संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्थाओं में एकजुटता का प्रदर्शन।

7. आंदोलन के प्रभाव में स्वयं इन देशों द्वारा दूसरे देशों में हस्तक्षेप से बचा गया।

8. वैश्विक शांति के मूल्यों पर जोर।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1 1/2	1/4			
Grade	B	B	C	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. राज्य के नीति निर्देशक तत्त्वों का क्रियान्वयन किस सीमा तक किया गया है? इसका आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आप किस प्रकार के तरीकों का सुझाव देंगे? (250 शब्द) 12.5

To what extent the DPSP have been implemented? Critically examine it and what types of method would you suggest for their effective implementation? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संविधान के अनु० 36 से अनु० 51 तक नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख किया है। राज्य द्वारा इनका अनुपालन राज्य की क्षमता और सामाजिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की जाने की अपेक्षा की गई है।

क्रियान्वयन के प्रयास

1. न्यायपालिका व कार्यपालिका का बेहतर पृथक्करण
2. 73वें और 74वें संशोधन के माध्यम से ग्राम पंचायतों का गठन
3. पशुपालन व पशुरक्षा के कानून
4. पर्यावरण की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कानून बनाए गए हैं जैसे - जल, वायु के प्रदूषण अधिनियम, पर्यावरण सुरक्षा अधि० 1986, जैव-विविधता अधि० 2002।
5. बालकों को 6 से 14 वर्ष तक निःशुल्क

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

शिक्षा (86वां संशोधन, 2002, RTE)
समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए सामाजिक न्याय से सम्बंधित प्रावधान।

प्रयासों की सीमा

सामाजिक संरचना के कारण प्रभावी क्रियान्वयन बाधित।

2. नीति निदेशक तत्वों में प्रमुख हैं - 38 व 39, जो मूलतः आर्थिक व सामाजिक असमानता को कम करने पर केंद्रित है। यह कुछ हाथों में पूंजी व साधनों के संकेंद्रण को रोकता है।
पर इस दिशा में प्रगति न के बराबर की गई है। असमानता लगातार बढ़ती गई है।

ऐसे कौनसे DPSP हैं जिनको अभी लागू नहीं किया जा सका है

सुझाव

समावेशी विकास पर जोर
DBT + JAM का क्रियान्वयन
- अनु० 38 व 39 के लक्ष्यों को धीरे-धीरे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मूल अधिकारों का रूप देकर इन लक्ष्यों की प्राप्ति आसान बनाना।

- कराधार व कर संग्रह बढ़ाना जिससे राज्य की क्षमता बढ़ सके।
- सामाजिक जागरूकता का प्रसार (जैसे - समान नागरिक संहिता - अनु० 44 के संदर्भ में।
- शिक्षा में मानवीय व संवैधानिक मूल्यों का समावेश।

3½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	¼	1½	1½	¼	—	—	✓
Grade	B	C	C	BC			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. 80वें और 88वें संविधान संशोधन ने केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों को परिवर्तित कर दिया तथा GST ने इसे पुनःपरिभाषित किया है। स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The 80th and 88th constitution amendment changed the center- state financial relations and GST has redefined it. Explain. (250 words) 12.5

80वें और 88वें संशोधन के माध्यम से केंद्र की वित्तीय शक्तियों में वृद्धि हुई थी। तब एक तरफ तो उपकर, सरचार्ज, आदि केंद्र के खाते में जाने लगे, जो राज्यों के साथ बंटवारे वाले पूल में सम्मिलित नहीं थे।

साथ ही साथ सेवा-कर और बाद में कॉरपोरेट टैक्स से केंद्र की आयक्षमता में पर्याप्त वृद्धि हुई।

13वें और 14वें वित्त आयोगों के माध्यम से राज्यों को मिलने वाले धन में पर्याप्त बढ़ोत्तरी हुई है।

अब GST के माध्यम से भी केंद्र-राज्य सम्बंधों को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास किया गया। जैसे-

1. एक देश, एक बाजार एक कर की धारणा

कृपया उचित तथ्य दें ↓ मॉडल उत्तर देखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

2. देश के अंदर बाजार में आने वाली बाधाएँ समाप्त होंगी।

3. राज्यों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा

4. चार दरों से व्यापार में स्पष्टता

5. सूचना व संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग - कराधार में वृद्धि व कर-चोरी में कमी।

6. करों का संग्रहण व पुनः वितरण राज्यों व केंद्र के समन्वय से। इससे सहयोग बढ़ेगा।

इसमें GST के लाभों को नहीं पूछा गया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation .

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1/2	1/2	1/4	—	—	—
Grade	B	D	D	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

13. वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में दिनोंदिन परिपक्व होती भारतीय राजनीति में दबाव समूहों की प्रासंगिकता अब नगण्य हो गई है। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

In this era of globalization and liberalization the relevance of the pressure groups in Indian politics, which is being matured day by day has became negligible. Critically explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दबाव समूह से तात्पर्य एक जैसे हित रखने वाले लोगों के ऐसे समूह से है जो अपने हितों की पूर्ति के लिए शासन पर दबाव डालने का प्रयास करते हैं।

जैसे – किसान – भारतीय किसान दल, शेतकारी संघटन।
मजदूर – हर दल के संगठन जैसे भारतीय मजदूर संघ
औद्योगिक – FICCI, CII
छात्र – एबीवीपी, एस.एफ. आई
धार्मिक – सांस्कृतिक – राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

यद्यपि कि आज वैश्विक और अंतर्राष्ट्रीय कारकों का प्रभाव बढ़ा है पर एक अर्थ में वे भी दबाव-समूह के रूप में ही कार्य करने लगे हैं जैसे- बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विश्व बैंक।

ऐसे में यह कहना ठीक नहीं होगा कि भारतीय राजनीति में दबाव समूहों की प्रासंगिकता

पहले नगण्यता के सन्दर्भ में तर्क/उदाहरण दें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कम हुई है।

हाँ, किसानों व धार्मिक समूहों जैसे पारम्परिक दबाव-समूहों का प्रभाव जैसे-जैसे कम होगा, नए स्वरूप के दबाव समूह सामने आने लगेंगे।

अतः इनकी प्रासंगिकता निकट भविष्य में भी समाप्त नहीं होगी परन्तु राजनीति को इनमें संतुलन साधकर सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदर्शित करनी होगी।

(2½)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1	1/2	1/2	1/2	1/2	2
Grade	B	C	D	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को सुनिश्चित करने हेतु संवैधानिक एजेंसी के रूप में प्रतिस्थापित है परंतु हाल ही में उभरे अनेक विवादों ने इसकी शक्ति एवं निष्पक्षता के विषय में अनेक सवाल खड़े किये हैं। इन विवादों पर चर्चा करते हुए बताएँ कि चुनाव आयोग को कैसे 'लोकतंत्र के प्रहरी' के रूप में मज़बूत बनाया जाए? (250 शब्द) 12.5

As a constitutional agency fair and independent election commission has established to ensure the dignity of Indian democracy but several controversies emerged recently have raised many questions about its power and fairness. Discuss these controversies and explain that how can the election commission be strengthened as a 'Watchdog of Democracy'? (250 words) 12.5

निर्वाचन आयोग अनु॰ 324 से शक्ति प्राप्त करता है और पिछले 2 दशकों में भारत की सर्वाधिक शक्तिशाली संस्था के रूप में सामने आया है।

हाल के विवाद

1. नोटा - NOTA का मत।
2. ईवीएम में गड़बड़ी का संदेह।
3. चुनाव - आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया।
4. धनबल।

इनमें से बाहुबल के उपरांत आयोग ने धन के खर्च पर निगरानी की पर्याप्त प्रणाली विकसित की है और हाल ही में गलत शपथपत्र व सीमा से अधिक खर्च के मामले में एक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक विधायक को निलंबित किया है।

नोटा को मतपत्र में शामिल कर लिया गया है। जब नोटा को मतपत्र में सर्वाधिक मत होगा तो स्वभावतः भविष्य में ऐसे मामले आने पर विचार होगा।

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के सम्बंध में एक कानून बनाने और विपक्ष के नेता, न्यायपालिका को नियुक्ति प्रक्रिया में सम्मिलित करने का बल दिया गया है।

इसी तरह EVM पर आरोपों में कोई सत्यता नहीं पाई गई है पर चुनाव-पूर्व प्रक्रिया में राजनीतिक दलों को परीक्षण के अवसर देना बढ़ाकर इन विवादों को कम किया जा सकता है।

VVPAT का प्रयोग

उपरोक्त उपायों के माध्यम से 'लोकतंत्र के प्रहरी' के रूप में चुनाव आयोग की भूमिका को और भी सशक्त बनाया जा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

सकता है।

4½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1½	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	B	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

15. अनुसूचित जाति उप-योजना एवं जनजातीय उप-योजना दो नीतिगत साधन हैं जो स्पष्ट रूप से अतीत के अनावश्यक पदानुक्रमों को समाप्त करने, अनुसूचित जाति/जनजाति के सशक्तीकरण में तेज़ी लाने और न्यायसंगत समाज के दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिये तैयार हैं। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Scheduled cast sub-plan and tribal sub-plan are two policy instruments which are clearly ready to eliminate the redundant hierarchies of the past, to accelerate the empowerment of schedule castes/tribes and to clarify the vision of the equitable society. Critically explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अनुसूचित जाति व जनजाति से सम्बंधित दोनो उप-योजनाएँ सरकारी खर्च का निश्चित प्रतिशत इनपर खर्च करना सुनिश्चित करती है। इस रूप में खाद्यान्न से लेकर शिक्षा व रोजगार की योजनाओं का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है। समावेशी व न्यायसंगत समाज के लिए इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

परन्तु इनका अधिकांश प्रयोग समर्थकारी उपायों की बजाय सहायक उपायों में होता है। कौशल विकास, रोजगार और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में खर्च के माध्यम से इसे और प्रभावकारी बनाया जा सकता है

पर्याप्त तर्क लगा है।

(2)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1	—	—	—	✓
Grade		C	C				

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

16. सार्वजनिक संस्थाएँ समाज में अंतिम छोर तक न्याय सुनिश्चित करने हेतु एक सेतु की तरह कार्य करती हैं; परंतु कमज़ोर होती ये संस्थाएँ भारतीय सामाजिक न्याय व्यवस्था को और कमज़ोर कर रही हैं। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

To ensure justice till the end, public institutions work like a bridge in the society; but these weakening institutions are making the Indian social justice system more weaker. Discuss. (250 words) 12.5

उद्योग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य तक सार्व॰ संस्थाओं का उद्देश्य सार्वजनिक हित को सुनिश्चित करना होता है।

आज जब भारत में 21.9% गरीबी व्याप्त है तो स्पष्ट है कि जनसंख्या का अधिकांश भाग, "भिक्षा" आवास से लेकर खाद्यान्न, शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए इन्हीं पर निर्भर है।

सार्व॰ संस्थाओं की कमजोरी

खराब अवसंरचना
ज्यादा बोझ
भ्रष्टाचार
गुणवत्ता पर ध्यान नहीं।
निजी क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा नहीं

इन्हीं तथ्यों को प्रश्न की माँग के अनुसार modify करें।

तर्क दें कि कैसे यह संस्थाएँ सामाजिक न्याय व्यवस्था को और कमजोर कर रहे हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस रूप में असमानता की खाई और चौड़ी होती जा रही है।

उपाय

ICT का प्रयोग
जन-भागीदारी
मिशन चारि
प्रोत्साहन को निष्पादन से जोड़ना
तथा समय-समय पर निरीक्षण
अंततः शिक्षा-स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च को बढ़ाना।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1/2	1/4	—	—	✓
Grade	B	C	D	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

17. चर्चा कीजिये कि स्वराजवादी, परिषद को राजनीतिक संघर्ष का मैदान बनाने में कहाँ तक सफल हुए तथा परिषद में प्रवेश न करने के संबंध में अपरिवर्तनवादियों के क्या तर्क थे? स्वराज दल के पतन के कारणों को लिखें। (250 शब्द) 12.5

Discuss how far Swarajists were successful in making council as an arena for political struggle and what were the arguments of No-changers against council entry? Write down the cause to the decline of Swaraj Party. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1923 ई० में चितरंजन दास और मोतीलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वराज दल का गठन किया गया, जिसने कांग्रेस का हिस्सा रहते हुए भी चुनावों में भाग लिया। इसने कांग्रेस के सम्मुख नया अनुभव और नई चुनौती प्रस्तुत की।

अपरिवर्तनवादियों के तर्क

1. यह कदम 1919 के सुधारों को मानने के समान है।
2. सरकार से भागीदारी से नकारात्मक छवि।
3. समाजसेवा और संघर्ष की भावना में कमी आएगी।
4. परिषद में प्रवेश के बावजूद सरकार को रोकना सम्भव नहीं। अतः व्यर्थ प्रयास।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

स्वराजवादियों की सफलता

परिषद में ब्रिटिश सरकार को बेनकाब करना।

2. बजट जैसे प्रावधानों पर बहस व आलोचना। अंततः वायसराय के प्रभाव से बजट पारित होने से शासन-संस्थाओं का खोखलपन उजागर हुआ।

3. मालवीय और जिन्ना जैसे नेताओं से सहयोग की संभावना।

4. प्रेस के माध्यम से प्रचार-प्रसार, जागरूकता

5. अध्यक्ष पद पर विट्ठलभाई पटेल का निर्वाचन

पतन के कारण

1. कुछ नेताओं में संघर्ष की भावना में कमी आ गई। सत्ता से सक्रिय हो गए।

2. प्रयोग की अवधि समाप्त।

3. जनता से कम संवाद।

4. अगले चुनाव में खराब प्रदर्शन।

प्रश्न के अनुसार क्रमबद्धता का ध्यान रखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1 1/2	1/4	—	—	✓
Grade	B	B	C	C			

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

18. स्वातन्त्र्योत्तर भारत में विकास का असमान वितरण लोगों के असंतोष का प्रमुख कारण है तथा उग्र आंदोलनों को जन्म देता है। पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Inequitable distribution of development in post independence era is the major reason of dissatisfaction of people and led to violent movements. Substantiate. (250 words) 12.5

स्वतंत्रता के उपरांत डॉ० अम्बेडकर ने राजनैतिक स्वतंत्रता मिलने और आर्थिक व सामाजिक स्वतंत्रता न मिलने के दुष्परिणामों के प्रति हमें सचेत किया। आज विकास के असमान वितरण ने उग्र आंदोलनों और असंतोषों को जन्म दिया है।

असमानता ①: क्षेत्रीय असमानता

उत्तर-पूर्व के विद्रोह व स्वायत्तता की माँग।

भूमिपुत्र की अवधारणा।

प्रवासन और संघर्ष (मुम्बई)

शहरों पर बोझ

गोरखालैण्ड व बुंदेलखण्ड जैसी माँग

नक्सलवाद

असमानता ②: शहर व गाँव

शहरों में अवसंरचना पर दबाव

कृषि संकट – प्रतिवर्ष 10-15 हजार आत्महत्यायें
– मंदसौर, तमिलनाडु, विदर्भ

असमानता को नहीं लिखना है। असमान वितरण कैसे असंतोष को जन्म देता है/उग्र आंदोलन को तर्क

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(3) असमानता ③ : अमीर - गरीब

अपराधों को बढ़ावा।

पूंजी का अभूतपूर्व संकेंद्रण

माओवाद जैसी विचारधारा को बढ़ावा।

(4) असमानता ④ : स्त्री - पुरुष

स्त्रियों के विरुद्ध होने वाले सभी अपराध - कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव।

यही असंतोष अंततः तेभागा, नक्सलवाद, पृथकतावादी आंदोलनों, उत्तर-पूर्व की समस्या को जन्म देता है। इस रूप में समावेशी विकास हमारी अनिवार्य जरूरत है अन्यथा यह असमानता अंततः लोकतंत्र पर ही संकट खड़ा कर देगी।

—— x ——

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

1

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1/2	—	1/3	—	—	—
Grade	B	D		C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

19. "गांधी एक राजनीतिज्ञ, संगठनकर्त्ता, मनुष्यों के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान हैं, परंतु वह मनुष्य के रूप में उससे भी अधिक महान हैं क्योंकि ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नहीं करते।" गांधी जी के संदर्भ में कहे गए उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Gandhi is great as a politician, organiser, leader of people and as a moral reformer but he is greater than all these as a man because none of these aspects limits his humanity." Analyse the above statement in the context of Gandhiji. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

राजनीतिज्ञ गाँधी

- दक्षिण अफ्रीका और फिर भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व
- सत्याग्रह व निष्क्रिय प्रतिरोध का सिद्धांत
- संघर्ष - सृजनात्मक कार्य - संघर्ष की रणनीति।
- जनभागीदारी

संगठनकर्त्ता गाँधी

- अहिंसा के सिद्धांत से सुनिश्चित किया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी
- किसानों, मजदूरों, महिलाओं, दलितों को भी संगठित किया
- चम्पारण, अहमदाबाद, असहयोग, भारत छोड़ो आंदोलन

मनुष्यों के नेता

लोगों से सीधे संवाद

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कांग्रेस से प्राप्त उनका प्रभाव
मानव स्वभाव की समझ, उसी के अनुसार रणनीति का निर्माण

नैतिक सुधारक गाँधी

सात पापों की अवधारणा।
सत्य अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य पर जोर
- जाति व्यवस्था, भेदभाव, पाप के प्रति नैतिक संघर्ष किया।

परंतु ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नहीं करते क्योंकि उन्होंने जो भी प्रयोग किए पहले स्वयं उनका पालन किया और अपने सिद्धांतों पर वे अडिग रहे। उदाहरण के लिए वे लोगों से नहीं अपितु बुराई से घृणा करते थे। इसीलिए ब्रिटिश सत्ता का विरोध करने पर भी वे ब्रिटिश जनता में कभी अलोकप्रिय नहीं हुए।

मनुष्य के रूप में यह सिद्धांत निष्ठा ही उनकी शक्ति का स्रोत थी। इसी अर्थ में महान वैज्ञानिक आइंस्टाइन ने कहा है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कि "आने वाली पीढ़ियाँ शायद ही विश्वास करें कि हाड़ और माँस का बना ऐसा आदमी हमारे बीच था।"

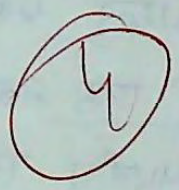

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1½	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

20. "अंग्रेज़ों द्वारा किये गए समाज सुधार का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों को दूर करना तथा महिलाओं के हितों के लिये त्याग की भावना जगाना था।" आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 12.5

"Social reforms, initiated by the British were aimed to eradicate social evils and arouse a sense of sacrifice for the interests of women." Critically evaluate. 12.5

19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में अंग्रेजों ने ऐसे कई सुधारों को सहमति दी, जो महिलाओं के हितों के अनुकूल थे और सामाजिक कुरीतियों को दूर करते थे।

उदाहरण के लिए 1829 ई० का सती प्रथा पर रोक सम्बंधी अधिनियम, 1856 ई० का विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, बलिप्रथा पर रोक, एज ऑव कन्सेंट बिल आदि।

अंग्रेजों के इन सुधारों के पीछे कुछ तो विलियम बैंटिंक जैसे व्यक्तियों की सुधारवादी और प्रबुद्धवादी मानसिकता था परन्तु अधिकांशतः कारण यह था कि भारत में एक नव शिक्षित वर्ग तैयार हो रहा था, जो भारतीय समाज को भी आधुनिक दिशा में खींचने को तत्पर था।

राजा राम मोहन राय, विद्यासागर, रानाडे, दयानंद सरस्वती, केशवचन्द्र सेन जैसे सुधारकों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

ने अपने समाज की दुर्दशा को ठीक करने के लिए कमर कस ली थी।

अंग्रेजों की सीमा को इस तरफ से भी समझा जा सकता है कि इस सामाजिक हस्तक्षेप को 1857 के कारणों में से एक मानकर उन्होंने ऐसे प्रयास समाप्त कर दिए। बाद में स्वाधीनता आंदोलन के साथ ही साथ सामाजिक सुधार का कार्यक्रम भी चलता रहा।

इस रूप में अंग्रेजों की सीमित भूमिका को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं आँका जाना चाहिए।

——— x ———

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

4½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1½	1/4	1/4	1/4	0
Grade	B	B	C	C	B	B	

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation